(M1/22) Development of Political Geography in Ancient India

From the desk of

वेद & ~~पुराण~~

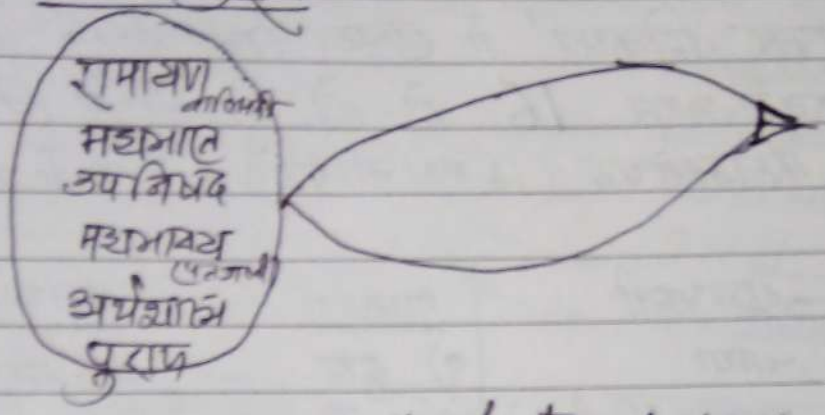

रामायण (वाल्मीकि)
महाभारत
उपनिषद
महाभाष्य (पतंजलि)
अर्थशास्त्र
पुराण

→ राजनीतिक भूगोल का जन्म

पुराणों की रचना महाभारत के बाद हुई।

The historical background of Political Geog in India dates back to Vedic period and Vedas are the primary source from where Political Geography of India took its origin.

Lord Krishna is perhaps considered as the World's greatest politician of the world.

Kautilya / Chanakya (parallel to Ger Bismark) is considered as the 2nd greatest politician of In...

राजनीतिक प्रदेशों को जनपद कहा जाता था जिसमें किसी राजा का सत्ता होती थी या कोई जनतंत्र राज्य होता है।

- गांधार
- केकय
- मद्र
- कुशीनगर
- मत्स्य
- कुरु
- पांचाल
- काशी
- कोशल
- विदेह

6th century BC के आरम्भ में सम्पूर्ण उत्तरी भारत अनेक [illegible]
स्वतंत्र राज्यों में विभक्त था।

बौद्ध ग्रंथ 'अंगुत्तर निकाय' से स्पष्ट होता है कि बौद्ध [illegible]
में समस्त उत्तरी भारत 16 बड़े-बड़े राज्यों में विभाजित [illegible]
जिसे षोडश महाजनपद (16 महाजनपद) के नाम से जाना [illegible]
थे हैं —

महाजनपद	राजधानी	महाजनपद	राजधानी
1) अंग	चम्पा	9) कुरु	इन्द्रप्रस्थ
2) मगध	राजगृह (गिरिव्रज)	10) पांचाल	अहिछत्र (उत्तरी पांचाल)
3) काशी	वाराणसी	11) मत्स्य	काम्पिल्य (द० ")
4) कोशल	श्रावस्ती	12) शूरसेन	विराट
5) वज्जि	वैशाली	13) अश्मक	मथुरा
6) मल्ल	कुशीनगर	14) अवन्ति	पैठन/प्रतिष्ठान, उज्जयिनी
7) चेदि	शक्तिमती	15) गांधार	माहिष्मति
8) वत्स	कौशाम्बी	16) काम्बोज	राजपुर, तक्षशिला

बाद में चलकर आपसी संघर्ष व प्रतिद्वन्द्विता के फलस्व[illegible]
छोटे-छोटे जनपदों का विलय हो गया एवं 4 बड़े जनपद अस्ति[illegible]
आए —

1) कोशल
2) वत्स
3) अवन्ति
4) मगध